

this Minister gave an assurance in this House which reads:

"As I expect 12,000 families would be ousted . . . I can assure the hon. Member that unless these oustees are settled we shall not allow any impounding of water."

According to the notification of the Government, the impounding will be done in June, 1974. Now the Minister has stated in his reply that so far 7,400 oustees have been rehabilitated which means that approximately 5,000 to 6,000 remain to be rehabilitated. May I know whether that assurance will be kept? Will they be rehabilitated before the water is impounded, in June, 1974?

SHRI K. C. PANT: I cannot give the exact month or the exact date. As I said, it is expected that most of the oustees will be allotted land during the current year in Stage I of the Rajasthan Canal Project area. I would like to seek the cooperation of my hon. friend in getting the people who are allotted land to move to the area where they have been allotted land. Even those oustees to whom land has been allotted, all of them have not moved to this area. Therefore, it is not a question of any bottle-neck on the allotment side. It is on the movement side.

SHRI VIKRAM MAHAJAN: The hon. Minister has said that the land has been allotted to the oustees and all of them have not moved to that area. I would like to know from the hon. Minister how many have been allotted land by the Government and, out of them, how many have not moved so far. Secondly, to some people whom the land has been allotted, it is not cultivable at all because there is no irrigation. Will he also see to it that in respect of those whom the land has been allotted and is not irrigated, the land will be exchanged?

SHRI K. C. PANT: About 7400 people have been allotted the land. But only 5,025 of them have taken the possession within the stipulated time.

About 1,788 houses have been built and only 85 have been taken by the oustees so far.

SHRI VIKRAM MAHAJAN: The allotment of houses is different from the question of allotment of land to the oustees.

श्री श्रीकिशन सोबी : अध्यक्ष महोदय, यह सच है कि पिछड़े हुए राजस्थान के सी कगेड़ रूपे खुले ग्राम इस पांग डेम के मामले में लूटे गए हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि 7 हजार आउस्टीज को जो जमीन एलाट हुई उम में कितने आउस्टीज वहाँ बसे हुए हुए हैं और कितने आउस्टीज एक एक लाख रुपये ले कर के उस जमीन को बेच कर इन्डायरेक्टली वहाँ से वापस आ गए हैं? मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि क्या इस मामले की आप कोई निष्पक्ष जांच करायेंगे और अगर जांच में यह साबित हो कि आउस्टीज वहाँ से जमीन बेच कर आ गए हैं तो वह जमीन उन से लेकर के उन गरीब हरिजनों को दी जाएगी जिनकी वर्षों से वह जमीन ली गई है ?

श्री कृष्ण चन्द्र पन्त : सूचना तो मैं ने दे दी कि 5025 ने वहाँ जा कर पजेशन लिया है स्टिपुलेटिड समय के अन्दर । अब वहाँ किसी ने बेचा या नहीं बेचा इसकी सूचना इस वक्त हमारे पास नहीं है ।

पेट्रोल में उसकी किमत बढ़ जाने के कारण
मिलावट

*89 श्री लालजी भाई : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में पेट्रोल की कीमत बढ़ जाने के कारण उसमें तरह तरह की मिलावट की जाती है; और

(ख) यदि हा, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्रवाई की है

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI SHAHNAWAZ KHAN). (a) A few reports of adulteration of Motor Spirit, have been received after the recent increase in its prices.

(b) The Government of India has taken the following steps to prevent such adulteration:

- (i) Advised the State Governments to be vigilant and to take strict measures against the offenders;
- (ii) A poster has been devised with simple text which will be displayed at the oil companies' retail outlets. This poster is intended to educate the motorists on simple methods to detect such adulteration.
- (iii) Efforts are being made to find a suitable blue dye for colouring Kerosene Oil. Coloured Kerosene when mixed with Motor Spirit will be easily detectable.

श्री लालजी भाई : अध्यक्ष महोदय, मैं आप के माध्यम से जानना चाहता हूँ कि पेट्रोल पम्पों से जांच के लिए नमूने इकट्ठा करने के लिए अचानक छापा मारने की योजना कब से प्रारंभ होगी और दूसरे हर एक पम्प की कानूनी तौर से कब से यह लाजिमी किया जाएगा कि पेट्रोल मिलावट की जांच का संयंत्र पेट्रोल पम्प पर ही उपलब्ध हो सके ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री देवकांत बरुवा) : पेट्रोल में कॅरसीन की जांच करने का बड़ा आसान उपाय है, जिस के बारे में सभा को पहले भी जानकारी थी गई थी। यदि कॅरसीन को पेट्रोल में 10 परसेन्ट के ज्यादा मिलाया जाये

तो फिल्टर पेपर पर डालने से खराब वाहक आ जाता है, इससे एडल्टरेशन का पता चल जाता है। इसलिए इन्हें जांच के लिए किसी सोफ्टिकेडिड यन्त्र की जरूरत नहीं है।

श्री लालजी भाई : अचानक छापा मार कर संप्ल इकट्ठा करने की योजना कब से प्रारंभ की जायगी ?

श्री देवकांत बरुवा : योजना प्रारंभ हो गई है।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

राज्यों में कोयले से पेट्रोल बनाने के संयंत्रों की स्थापना

उ०१. श्री फलचन्द बर्मा : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार बिहार में कोयले से पेट्रोल बनाने का संयंत्र स्थापित करने का है ;

(ख) यदि हा, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं; और

(ग) क्या सरकार मध्य प्रदेश तथा अन्य राज्यों में भी एम सयंत्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री (श्री देवकांत बरुवा) : (क) से (ग). विज्ञान और औद्योगिक राष्ट्रीय समिति और योजना आयोग द्वारा अब तक किए गए अन्वेषी अध्ययनों के आधार पर एक दल की स्थापना करने का निश्चय किया गया है जो कोयले से तेल का निर्माण करने वाले संयंत्र की स्थापना के सम्बन्ध में सम्भाव्यता अध्ययन करेगा। इस रिपोर्ट के आधार पर कार्यान्वयन सम्बन्धी अथवा निगम लिये जायेंगे।